

धेनुमक्षिका स्त्री. (तत्.) चौपायों को काटने वाले बड़े मच्छर।

धेनुमती स्त्री. (तत्.) गोमती नदी।

धेनुमुख पुं. (तत्.) गोमुख नामक बाजा, नरसिंहा।

धेनुष्टरी पुं. (तत्.) सवत्सा गाय जिसने दूध देना बंद कर दिया है।

धेनुष्या स्त्री. (तत्.) रेहन या बंधक रखी हुई गाय।

धेय वि. (तत्.) 1. धारण करने योग्य, धारणीय, धार्य 2. पोषण करने योग्य, पोष्य 3. पीने योग्य पुं. ग्रहण, पान, पोषण (प्रत्य.) एक प्रत्यय जो संज्ञा के अंत में लगाकर अधिकारी, पात्र का अर्थ देता है जैसे- नामधेय, भागधेय।

धेयना अ.क्रि. (तत्.) ध्यान करना।

धेर पुं. (देश.) एक जाति का नाम जो मरे जानवरों का माँस खाती है।

धेरा वि. (देश.) भेंगा।

धेरिया स्त्री. (देश.) लड़की, बेटा, पुत्री।

धेरी स्त्री. (देश.) पुत्री।

धेलचा पुं. (देश.) पुराना आधा पैसा, अधेला, धेना वि. अधेले के मूल्य का टि. अब यह प्रचलन में नहीं है।

धेला पुं. (देश.) अधेला।

धेली स्त्री. (देश.) पुराना आधा रुपया, अठन्नी।

धेवता पुं. (देश.) दोहता, नाती स्त्री. धेबती।

धै अव्य. (देश.) दुहाई जैसे- रामधै।

धैत स्त्री. (तत्.) धेनु।

धैताल वि. (देश.) धौताल।

धैनव वि. (तत्.) गाय से उत्पन्न पुं. बछड़ा।

धैना पुं. (देश.) 1. धंधा, आदत 2. टेब 3. रंगढग 4. जिद, हठ।

धैनुक पुं. (तत्.) 1. गोसमूह 2. कामशास्त्र में एक आसन या रतिबंध।

धैर्य पुं. (तत्.) 1. धीरता, चित्त की स्थिरता प्रतिकूल परिस्थितियों में चित्त के विकृत न होने का भाव प्रयो. धैर्य मत छोड़ो तुम्हें अपने उद्देश्य में अवश्य सफलता मिलेगी 2. साहस 3. धृष्टता।

धैवत पुं. (तत्.) संगीत. सप्त स्वरों में छठा स्वर जो मंदंती, रोहिणी और रम्या नाम की तीन श्रुतियों के योग से बनता है, इसका संकेतचिह्न 'ध' है।

धैवत्य पुं. (तत्.) चातुर्य, चतुराई, होशियारी।

धोंकना अ.क्रि. (देश.) काँपना, थरथराना।

धोंडाल वि. (देश.) कंकड़-पत्थर युक्त धरती।

धोंधका पुं. (देश.) दे. धोंधवा।

धोंधवा पुं. (तत्.) घर की छत या दीवार में धुआँ निकासी के लिए बना मार्ग।

धोंधा पुं. (देश.) 1. मिट्टी का लोंदा 2. बेडौल पिंड।

धो पुं. (देश.) धुलने या धोए जाने का भाव प्रयो. दो धो के बाद कमरा साफ-सुथरा हो गया 2. धोने की आज्ञा प्रयो. तुम कपड़े धो।

धोई स्त्री. (देश.) 1. उड़द या मूंग की छिलका निकाली हुई दाल 2. अफीम के बरतन का धोवन पुं. राजगीर।

धोकड़ वि. (देश.) हष्ट-पुष्ट, हट्टा-कट्टा, मोटा-ताजा, मुस्टंडा।

धोकड़ा वि. (देश.) दे. धोकड़ पुं. राजस्थान में पाया जाने वाला एक वृक्ष।

धोका पुं. (देश.) दे. धोखा।

धोख पुं. (देश.) दे. धोखा।

धोखा पुं. (देश.) 1. यथार्थ को छिपाकर दूसरों को भ्रम में डालने का व्यापार, वंचना 2. पहचानने, समझने आदि में होने वाली भूल, भ्रम, मिथ्या-प्रतीति 3. आश्वासन देकर उसे पूरा न करने की क्रिया, दगा, विश्वासघात 4. भ्रम उत्पन्न करने वाली कोई बात 5. अनजाने में या अज्ञान में होने वाली भूल 6. अनिष्ट की संभावना, खतरा, जोखिम, खटका, अंदेशा 7. भूल, चूक, त्रुटि,